



इकाई ०५ और ०६, आर.के.एम. एन्क्लेव सहयोग

एक प्रमाण-आधारित वास्तु और स्थानिक ऑडिट

बोधि 360 | वास्तु एवं वास्तुकला विश्लेषण

हमारी विचारधारा: 'मानसार' और आधुनिकता का संगम

प्राचीन ज्ञान

मानसार के प्रामाणिक और वैज्ञानिक
वास्तु सिद्धांतों पर आधारित।



आधुनिक दृष्टि

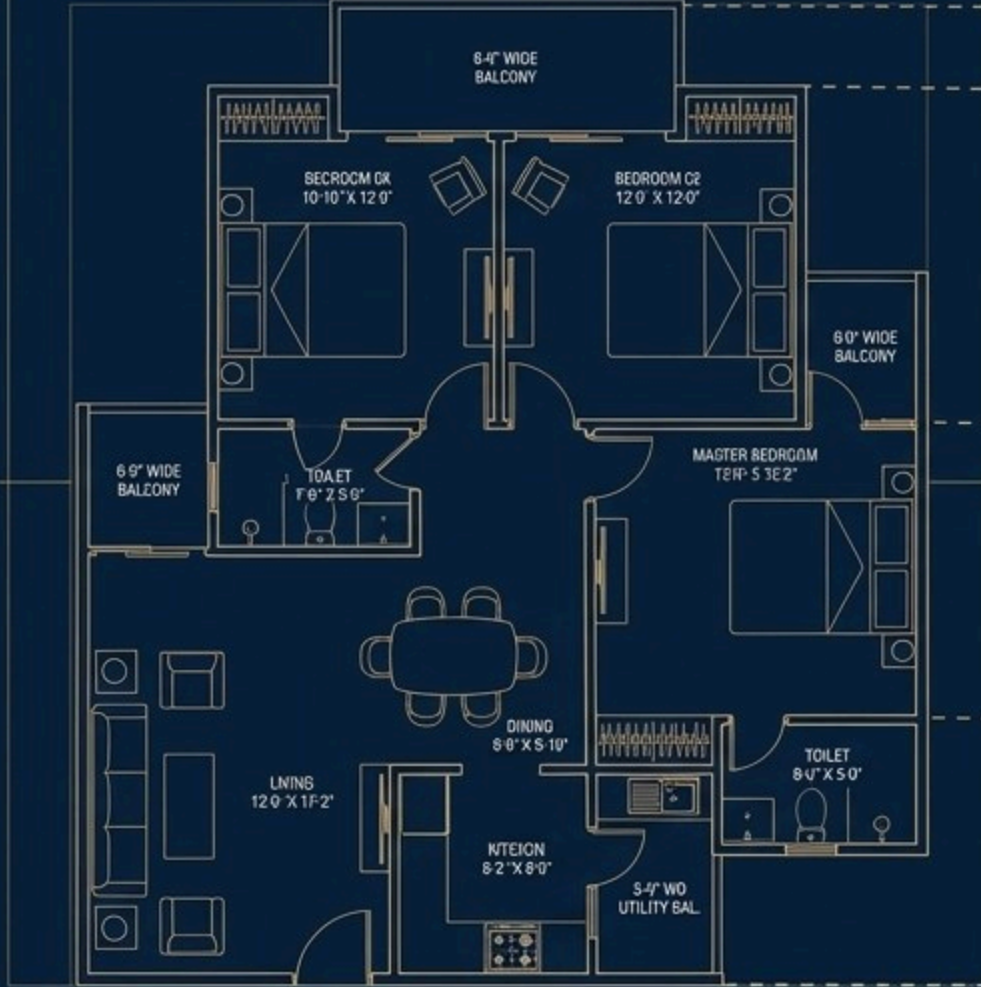
आधुनिक जीवनशैली और प्रीमियम
स्पेस प्लानिंग के साथ पूर्ण समन्वय।

प्रमाण-आधारित ऑडिट

बिना किसी तोड़-फोड़ के, गणितीय और
स्थानिक सटीकता से ऊर्जा का संतुलन।

स्थानिक सत्य: प्रमाणित वास्तुकला आधार

सत्यापित २डी ब्लूप्रिंट



संरचनात्मक लेआउट और
सटीक माप का आधार।

सभी वास्तु गणनाएं और परिवर्तन केवल इन्हीं
सत्यापित योजनाओं पर आधारित हैं।

सत्यापित ३डी रेंडर



‘यूनिट ०५’ और ‘यूनिट ०६’ की
यथार्थ स्थानिक वास्तविकता।

ब्रह्मांडीय गणित: 'अयादि षड्वर्ग' का तराजू सिद्धांत



आय = ८
सकारात्मक ऊर्जा / धन का आगमन

व्यय = ३
नकारात्मक ऊर्जा / खर्च

संतुलन का परिणाम:

चूँकि आय (८), व्यय (३) से अधिक है, यह स्थान वित्तीय समृद्धि और स्थिरता के लिए गणितीय रूप से अनुकूलित है।

ध्वज योनि = १:

यह सर्वोच्च योनि है, जो विजय, यश और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक है।

वास्तु पुरुष मंडल: ऊर्जा का स्थानिक मानचित्र



पश्चिम प्रवेश



4

ईशान पूजा

2

ब्रह्मस्थान

3

आग्नेय रसोई

प्रवेश द्वार (पश्चिम): ऊर्जा का स्वागत और संतुलन

दिशा प्रभाव

पश्चिम मुखी प्रवेश द्वार (वरुण देव का क्षेत्र) सामाजिक संपर्क और भौतिक लाभ को नियंत्रित करता है।

वास्तु उपाय

‘पीतल की देहली’ (Brass Dehali Threshold)।

वैज्ञानिक और स्थानिक लाभ

यह देहली बाहरी अस्थिर ऊर्जा को फ़िल्टर करती है और घर के भीतर सकारात्मक तरंगों को संरेखित करती है।



घर का हृदय: ब्रह्मस्थान

सटीक माप:
8'-6" x 8'-10"



स्थानिक श्वास केंद्र: यह क्षेत्र घर का गुरुत्वाकर्षण केंद्र है।

वास्तु अनुकूलन: भारी निर्माण से मुक्त। यहाँ स्थित डाइनिंग टेबल एक हल्का लेआउट प्रदान करता है, जिससे पूरे घर में लौकिक ऊर्जा का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित होता है।

आग्नेय रसोईघर: अग्नि और काष्ठ तत्त्व का सेतु



स्थान:

दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण), जो अग्नि का प्राकृतिक स्थान है।

संरेखण:

पूर्व-मुखी खाना पकाने की दिशा, जो स्वास्थ्य और ऊर्जा वृद्धि के लिए इष्टतम है।

ऊर्जा संतुलन:

रसोई में 'ऑलिव ग्रीन' काष्ठ तत्त्व का प्रयोग। यह रंग अग्नि को नियंत्रित करता है, जिससे अग्नि ऊर्जा आक्रामक होने के बजाय उत्पादक बनती है।

मास्टर सुइट (पूर्व): जैव-चुम्बकीय संरेखण

विश्राम का विज्ञान:
दक्षिण दिशा में सिरहाना

बायो-मैग्नेटिक तर्क: मानव शरीर का रक्त संचार पृथ्वी के ध्रुवीय चुम्बकीय क्षेत्र के प्रति संवेदनशील होता है। दक्षिण में सिर रखने से पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र के साथ शरीर का प्राकृतिक सामंजस्य बनता है, जो गहरी नींद और तंत्रिका तंत्र की मरम्मत सुनिश्चित करता है।



उत्तरी विस्तार: कुबेर ऊर्जा का अबाधित प्रवाह



6'-0" चौड़ा निरंतर छज्जा

उत्तर दिशा का महत्व: उत्तर दिशा धन और अवसर (कुबेर) का स्रोत है।

वास्तु लाभ: यह विस्तृत ६-फुट की बालकनी उत्तर दिशा को हल्का और खुला रखती है। यह विशाल खुलापन घर में सकारात्मक आर्थिक ऊर्जा को बिना किसी बाधा के खींचता है।

पवित्र नोड (ईशान कोण): पूजा और ध्यान का केंद्र

स्थान: उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) —
ब्रह्मांडीय चेतना का उच्चतम बिंदु।



कस्टमाइज्ड पूजा स्थल: यह नोड
घर को आध्यात्मिक स्थिरता
प्रदान करता है।

वास्तु प्रभाव: यहाँ से उत्पन्न
होने वाली पवित्र ऊर्जा पूरे
'ब्रह्मस्थान' से होते हुए घर के
हर कोने को शुद्ध करती है।

स्थानिक और ऊर्जावान नैदानिक मैट्रिक्स

स्थानिक क्षेत्र	वास्तु तत्व	वास्तु संरेखण	ऊर्जावान प्रभाव
SE रसोईघर	कुकिंग दिशा	पूर्व-मुखी, ऑलिव ग्रीन काष्ठ	अग्नि संतुलन, स्वास्थ्य
पूर्व मास्टर सुइट	बेड प्लेसमेंट	दक्षिण सिरहाना	जैव-चुम्बकीय विश्राम
पश्चिम प्रवेश	मुख्य द्वार	पीतल की देहली	ऊर्जा फ़िल्टर
उत्तर बेडरूम	6'-0" बालकनी	अबाधित विस्तार	कुबेर (धन) प्रवाह

वास्तु परिवर्तन स्कोरकार्ड: सामंजस्य का मापन



आधार स्कोर



अनुकूलित स्कोर

निष्कर्ष: केवल फर्नीचर संरेखण, रंग संतुलन (ऑलिव ग्रीन), और सूक्ष्म वास्तु उपायों (पीतल की देहली) के माध्यम से, बिना किसी संरचनात्मक तोड़-फोड़ के, स्पेस की ऊर्जा को उसके उच्चतम स्तर तक ले जाया गया है।

अगला आयाम: वास्तुकला का जीवंत अनुभव



इन वास्तु-अनुकूलित स्थानों को स्वयं महसूस करें।
निमंत्रण: 1:1 वर्चुअल रियलेटी (VR) वॉकथ्रू के लिए हमारे साथ जुड़ें।

VR वॉकथ्रू बुक करें



शुभम भवतु

उत्कृष्ट वास्तुकला और प्राचीन वास्तु विज्ञान का शाश्वत प्रमाण।